रणजीत टाइम्स

इंदौर

शुक्रवार, 1 मई, 2026

वर्ष 02 | अंक 108 कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

यूपी विधानमंडल में तीखा टकराव

Uttar Pradesh के विधानमंडल में विशेष सत्र के पहले ही सियासी माहौल गरमा गया है। Yogi Adityanath ने मीडिया से बातचीत में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। मुख्यमंत्री ने कहा कि सपा और कांग्रेस की राजनीति तुष्टिकरण पर आधारित रही है और उन्होंने आरोप लगाया कि ये दल "मौलवियों के सामने नाक रगड़ने" की प्रवृत्ति रखते हैं। उन्होंने Shah Bano case का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय भी कांग्रेस ने वोट बैंक की राजनीति के कारण महिलाओं के अधिकारों के साथ समझौता किया था। दरअसल, समाजवादी पार्टी और कांग्रेस द्वारा लोकसभा में महिला आरक्षण विधेयक पारित नहीं होने देने के विरोध में यह विशेष सत्र बुलाया गया है। सत्र के दौरान Bharatiya Janata Party की ओर से निंदा प्रस्ताव लाया जाएगा, जिसके जरिए विपक्ष को घेरने की तैयारी है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि उनकी सरकार महिलाओं के सम्मान और अधिकारों के लिए प्रतिबद्ध है।

बंगाल से असम तक किस पर कितना भरोसा?

2021 में TMC को 130–140 सीटों का अनुमान था, लेकिन नतीजे में 213 सीटें मिलीं बीजेपी को भी ज्यादा सीटें दिखाई गईं,

विधानसभा चुनावों के बाद आए एग्जिट पोल एक बार फिर राजनीतिक बहस के केंद्र में हैं। West Bengal, Tamil Nadu, Kerala और Assam में सामने आए रुझान सत्ता परिवर्तन और वापसी—दोनों की कहानी सुना रहे हैं। लेकिन इतिहास बताता है कि एग्जिट पोल और असली नतीजों के बीच अक्सर बड़ा अंतर रहा है।

बंगालः एग्जिट पोल पर सवाल

Mamata Banerjee की पार्टी (TMC) के मामले में एग्जिट पोल कई बार चूक चुके हैं

2021 में TMC को 130–140 सीटों का अनुमान था, लेकिन नतीजे में 213 सीटें मिलीं बीजेपी को भी ज्यादा सीटें दिखाई गईं, जबकि वह 77 पर सिमट गई इस बार भी रुझान सत्ता परिवर्तन की ओर इशारा कर रहे हैं, लेकिन पिछले आंकड़े बताते हैं कि बंगाल में एग्जिट पोल पर आंख बंद कर भरोसा करना जोखिम भरा है।

तमिलनाडु

DMK की बढ़त के संकेत (DMK) को 9 में से 6 एग्जिट पोल में बढ़त मिलती दिख रही है। 234 सीटों वाले राज्य में 118 का आंकड़ा जरूरी है और रुझान DMK की वापसी की ओर इशारा कर रहे हैं। हालांकि 2016 जैसे चुनावों में एग्जिट पोल पूरी तरह उलट भी चुके हैं।

केरल

परंपरा बनाम अनुमान (UDF) को इस बार बढ़त मिलती नजर आ रही है। लेकिन केरल में एग्जिट पोल अपेक्षाकृत ज्यादा सटीक रहे हैं-2021 और 2016 में अनुमान और नतीजों में ज्यादा अंतर नहीं था यहां मुकाबला अक्सर सीधा और स्पष्ट रहता है असमः बीजेपी की वापसी? (BJP) को एग्जिट पोल में बढ़त दिखाई गई है। 126 सीटों वाले राज्य में 64 का बहुमत जरूरी है और पिछले चुनावों में एग्जिट पोल काफी हद तक सही साबित हुए हैं। इस बार भी रुझान बीजेपी की वापसी की ओर इशारा कर रहे हैं।

असली तस्वीर कब साफ होगी?

सभी राज्यों में अंतिम फैसला मतगणना के बाद ही होगा। एग्जिट पोल सिर्फ रुझान हैं, नतीजे नहीं। एग्जिट पोल चुनावी माहौल को गर्म जरूर करते हैं, लेकिन उनकी विश्वसनीयता हर राज्य में अलग-अलग रही है।

बंगाल में ये अक्सर चूक जाते हैं केरल और असम में अपेक्षाकृत सटीक रहे हैं

तमिलनाडु में तस्वीर बदल भी सकती है यानी राजनीति में आखिरी शब्द सिर्फ जनता का होता है-और वह EVM खुलने के बाद ही सामने आता है।

ट्रॉली पर चढ़कर सीएम डॉ. मोहन ने किसानों से जाना हाल, दिए दिशा-निर्देश

उपार्जन केंद्र की व्यवस्था देखने शाजापुर-खरगोन पहुंचे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव किसानों से आत्मीय संवाद कर जाना कैसी मिल रहीं सुविधाएं अन्नदाता को पसंद आया प्रदेश के मुखिया का किसान रूप अधिकारियों को दिए दिशा-निर्देश

सलीम हूसैन

भोपाल/शाजापुर/खरगोन। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का 30 अप्रैल को अनोखा अंदाज दिखाई दिया। उन्होंने आज शाजापुर-खरगोन के उपार्जन केंद्रों का दौरा किया। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों को जरूरी दिशा निर्देश भी दिए। वे शाजापुर जिले के मकोड़ी स्थित श्यामा वेयर हाउस पहुंचे। उन्होंने यहां बाकायदा ट्रॉली पर चढ़कर किसानों से चर्चा की। इस दौरान उन्होंने गेहूं का वजन भी तुलवाकर देखा। उनके

इस अंदाज की तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है।

शाजापुर से पहले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज सुबह अचानक खरगोन जिले के कतरगांव में बनाए गए उपार्जन केंद्र के निरीक्षण लिए पहुंचे। इस दौरान उन्होंने उपार्जन की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने यहां किसानों से चर्चा की। इसके अलावा उन्होंने केंद्र से संबंधित लोगों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। बता दें, मध्यप्रदेश सरकार ने किसानों के लिए उपार्जन केंद्रों पर छाया, बैठक और कई अन्य सुविधाओं की व्यवस्था की है। अब किसान जिले के किसी भी उपार्जन केन्द्र पर उपज विक्रय कर सकते हैं। इतना ही नहीं, किसानों को गेहूं की तौल के लिए इंतजार नहीं करना पड़े इसके लिए उपार्जन केन्द्रों में तौल कांटों की संख्या बढ़ाकर 6 कर दी गई है। सरकार जिलों में और भी तौल कांटे बढ़ा रही है।

उचित व्यवस्था के दिए निर्देश

मुख्यमंत्री ने खरगोन में कलेक्टर और मंडी सचिव को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उपार्जन-खरीदी केंद्रों पर पूरे 6 तौल कांटे लगाए जाएं। गेहूं खरीदी के आज से नए मापदंड जारी हुए है वह लागू हो जाएं। किसानों के लिए उपार्जन-खरीदी केंद्रों पर पर्याप्त छाया और शीतल पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हर अन्नदाता को सम्मान और सुविधा के साथ उपज का उचित मूल्य दिलाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उपार्जन प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की समस्या का त्वरित निराकरण किया जाए। किसानों के उपज की तौल समय पर हो सके इसके लिए पर्याप्त संख्या में बारदाने, तौल कांटे, सिलाई मशीन, स्लॉट बुकिंग हेतु कंप्यूटर, नेट कनेक्शन, कंप्यूटर ऑपरेटर, आदि व्यवस्थाएं उपार्जन केन्द्र पर हमेशा उपलब्ध रहें। उन्होंने कहा कि सभी केंद्र के सभी 6 तौल कांटों पर निरंतर तुलाई कार्य चलता रहे। उन्होंने केंद्र पर कृषकों की सुविधा के लिए पेयजल, टेंट, बैठक, इत्यादि व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया तथा सुविधाएं बढ़ाने के निर्देश दिए।

आत्मा की शुद्धि के लिए भक्ति और सत्संग बहुत जरूरी

● सीएम बोले-राज्य सरकार धर्म-संस्कृति की धारा को प्रवहमान बनाए रखने के लिए सतत सक्रिय

कहा-पं. कमल किशोर नागर द्वारा संचालित गौसेवा और नशा मुक्ति अभियान का व्यापक प्रभाव है

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मनुष्य जीवन में जिस तरह शरीर को भोजन आवश्यक है, उसी प्रकार आत्मा की शुद्धि के लिए भक्ति और सत्संग बहुत जरूरी है। राज्य सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में धर्म-संस्कृति की धारा को निरंतर प्रवाहमान बनाए रखने के लिए सतत् सक्रिय है। हमारे किसान अपने कठोर परिश्रम से देशवासियों को अन्न और सभी आवश्यक भोजन सामग्री उपलब्ध करा रहे हैं। राज्य सरकार हर कदम पर किसानों के साथ है। किसानों को उनके परिश्रम का उचित सम्मान देने के लिए राज्य सरकार ने गेहूं का उपार्जन शुरू किया है। प्रत्येक गेहूं उपार्जन केंद्र पर किसानों के लिए सभी सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं। प्रदेश के किसानों ने गेहूं की फसल लगाई और धरती माता की कृपा से इस वर्ष गेहूं का उत्पादन दोगुना हो गया है।

भारतीय संस्कृति त्याग और दान की संस्कृति

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा के प्रसंग से संदेश मिलता है कि जीवन में धन, सुख, संपदा कितनी भी मिल जाए, लेकिन मन का प्रेम इन सबसे ऊपर और महत्वपूर्ण है। परमात्मा ने हमें समाज के लिए कुछ अच्छा करने का अवसर दिया है। हमारी संस्कृति त्याग और दान की संस्कृति है, हमें मूल्यों को अपनाने का हरसंभव प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने उज्जैन के पास जानापाव और सांदीपनि आश्रम सहित भगवान श्रीकृष्ण के प्रत्येक लीला स्थल को पवित्र तीर्थ के रूप में विकसित करने का संकल्प लिया है। प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में गीता भवन और जनपदों में एक-एक आदर्श वृंदावन ग्राम बनाए जा रहे हैं।

संतानों को संस्कारित बनाना जरूरी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि संत समाज ने सदैव देवताओं के समान हमारे समाज का मार्गदर्शन किया है। महाराज श्री कमल किशोर नागर ने अध्यात्म और धर्म के माध्यम से पूरी पीढ़ी को जीवन जीना सिखाया है। गुरुदेव गौशाला के लक्ष्य के साथ सिर्फ रचनात्मक कार्यों में ही आस्था रखते हैं। उन्होंने सनातन संस्कृति की धारा प्रवाहित करते हुए समाज के बीच से अशिक्षा और नशे जैसी बुराइयों को खत्म करने का संकल्प लिया है। उनके गौसेवा और समाज सुधार कार्यों का व्यापक प्रभाव है। हमारी संतानें वंश और गौत्र की अमरता की निशानी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अगर संतान संस्कारित हैं तो उनके रूप में ब्रह्मा, विष्णु और महेश तीनों का आशीर्वाद मिल जाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अगली पीढ़ी को संस्कार, शिक्षा देने के लिए उपस्थित जनसमुदाय को प्रेरित किया।

यूपी और बिहार में

आंधी-बारिश का 'आतंक'

● 18 लोगों की मौत, बांदा में पारा 45 डिग्री के पार ● राजस्थान-दिल्ली में आधे दिन लू

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में पिछले 24 घंटे के अंदर अलग-अलग मौसम देखने को मिला। पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, मध्य प्रदेश, राजस्थान और गुजरात में कई जगह पारा 40 से 46 डिग्री के बीच रहा। हालांकि, आंधी और हल्की बारिश से कई इलाकों में तापमान 2 से 3 डिग्री तक घट भी गया। दिल्ली में दोपहर बाद ओले गिरे। उत्तर प्रदेश में आंधी-बारिश से 13 लोगों की मौत हो गई। सुल्तानपुर में सबसे ज्यादा 7 मौतें हुईं। वहीं, बिहार में भी 5 लोगों की मौत हुई है। पटना में आंधी से दीवार गिरने से 2 लोगों की मौत हो गई। कई जिलों में पेड़ गिर गए। उत्तराखंड के मसूरी में गुरुवार को ओले गिरे। यूपी का बांदा लगातार भीषण गर्म रहा।

पीपा पुल टूटा, शादी के टेंट आंधी से उखड़े

मौसम विभाग ने पहले ही बता दिया था कि आने वाले दिन बिहार पर भारी पड़ सकते हैं। बुधवार की शाम से ऐसा होना शुरू भी हो गया। राजधानी पटना में अचानक से तेज आंधी आई। बिहार के लगभग ज्यादातर जिलों में ऐसा ही माहौल बना। इसके बाद कई जिलों में आसमानी बिजली ने भी कहर बरपा दिया। आंधी और बारिश इतनी तेज थी कि एक पीपा पुल 3 भागों में टूट गया। बिहार में मौसम के बदले मिजाज ने बुधवार को जमकर कहर बरपाया। लोगों को चिलचिलाती गर्मी से राहत तो मिली लेकिन इसकी कीमत बिहार को चुकानी पड़ी। कई जिलों में इतनी तेज आंधी चली कि शादियों के लिए लगाए गए टेंट ही उखड़ गए। एकाध जगहों पर बिजली का खंबा ही आ गिरा। 20 जिलों मेंलोगों को हलाकान कर दिया।

मिजोरम के कई जिलों में स्कूल बंद रहे

पटना मौसम विज्ञान केंद्र से जारी ताजा अपडेट के अनुसार अगले 24 घंटों के दौरान अधिकतम तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट की संभावना है, इसके बाद अगले 48 घंटों में 3-4 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि का पूर्वानुमान है। वहीं अगले 48 घंटों के दौरान न्यूनतम तापमान में 3-4 डिग्री सेल्सियस की क्रमिक वृद्धि होने की संभावना है। पश्चिम बंगाल, सिक्किम और पूर्वोत्तर के सभी 7 राज्यों में भी बारिश हुई। मिजोरम में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण कई जिलों में स्कूल दूसरे दिन भी बंद रहे। खराब मौसम के चलते केदारनाथ धाम, फाटा, सोनप्रयाग, सर्सी और गुप्तकाशी में हेलीकॉप्टर सेवाएं रोक दी गई हैं। मौसम विभाग ने बिहार, झारखंड, अरुणाचल में अलर्ट जारी किया है।

वीआईपी कल्चर छोड़ जनता से संवाद करें कांग्रेस नेता

पंजाब,जेके और हिमाचल कांग्रेस के जिला अध्यक्षों को दी ट्रेनिंग

राहुल ने दी सलाह,संगठन मजबूत बनाने के टिप्स भी दिए

कांगड़ा (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार कांगड़ा में हिमाचल प्रदेश, पंजाब और जम्मू कश्मीर के 80 कांग्रेस अध्यक्षों को ट्रेनिंग दी। राहुल गांधी ने कहा कि संगठन को मजबूत बनाने के लिए वीआईपी कल्चर छोड़कर आम जनता से सीधे संवाद करना होगा। राहुल गांधी ने जनता से जुड़े मुद्दे उठाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों के नैरेटिव का जवाब मीडिया के साथ सोशल मीडिया के माध्यम से दिया जाए। राहुल ने अपने साढ़े चार घंटे के ट्रेनिंग कार्यक्रम के दौरान संगठन को मजबूत करने, मीडिया प्रबंधन, सोशल मीडिया के प्रभावी उपयोग और विपक्ष के नैरेटिव का जवाब देने के टिप्स दिए।

राहुल ने जिला अध्यक्षों के साथ किया लंच

राहुल गांधी ने दोपहर डेढ़ बजे के करीब कांग्रेस के जिला अध्यक्षों के साथ लंच किया और दोपहर सवा दो बजे वह कांगड़ा से वापस दिल्ली लौट गए। दरअसल, कांग्रेस का संगठन सृजन कार्यक्रम के तहत ट्रेनिंग कैंप हिमाचल के कांगड़ा में रखा गया था। इसमें तीन प्रदेशों के 80 जिला अध्यक्षों को 10 दिन तक ट्रेनिंग दी गई। आज ट्रेनिंग कैंप खत्म हो गया है। इसी तरह के कैंप कांग्रेस दूसरे राज्यों में भी लगा चुकी है।

एक साथ जलीं 16 चिताएं,एक चिता पर चार महिलाएं

● अपनों को खोने वाले परिजन का बुरा हाल, गांव में पसरा मातम

एमपी के धार में 100 की रफ्तार में पिकअप का टायर फटा था

धार (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के धार में बुधवार रात हुए पिकअप हादसे में नयापुरा के 9, सेमलीपुरा के 5 और रामपुरा के 2 लोगों की मौत हो गई। सभी का अंतिम संस्कार गुरुवार सुबह किया गया। 4 महिलाओं के शवों को एक ही चिता पर रखा गया। अपनों को खोने वाले परिजन का बुरा हाल है। कोई पत्नी की तस्वीर हाथ में लेकर बैठा है तो कोई उनके कपड़े एकटक देख रहा है। रिश्तेदारों की आंखें भी नम हैं। पूरे गांव में मातम छाया है। बता दें कि बुधवार रात करीब साढ़े 8 बजे 46 मजदूरों से भरा पिकअप वाहन टायर फटने से डिवाइडर पर चढ़कर पलट गया था। वाहन ने 3-4 बार पलटी खाई। फिर सड़क के रॉन्ग साइड जाकर स्कॉर्पियो से टकराया था। हादसे में 16 लोगों की मौत हो गई, 30 घायल हैं। मृतकों में 6 बच्चे शामिल हैं। एक्सीडेंट इंदौर-अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग के चिकलिया फाटा पर जियो पेट्रोल पंप के पास हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि पिकअप की रफ्तार करीब 100 किमी प्रतिघंटा रही होगी।

टर्न पर न तो साइन बोर्ड, न ही स्टॉप सिग्नल- इंदौर ग्रामीण डीआईजी मनोज कुमार सिंह ने गुरुवार सुबह घटनास्थल का मुआयना किया। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक तौर पर हादसे की वजह ओवर स्पीड ही है। साथ ही रोड इंजीनियरिंग और नेशनल हाईवे ऑफ इंडिया की गलती सामने आई है। यहां टर्न पर न तो साइन बोर्ड लगे हैं और न ही स्टॉप सिग्नल। हम इन सभी बिंदुओं को लेकर एनएचएआई को पत्र लिखेंगे।

विधायक ने 50-50 लाख रुपए मुआवजे की मांग की- जयस के राष्ट्रीय संरक्षक और विधायक डॉ. हीरालाल अलावा ने धार हादसे में मृतकों के परिजन को 50-50 लाख रुपए मुआवजा देने की मांग की है।

रणजीत टाइम्स

प्रदेश में सबसे अधिक समय तक जिला पंचायत सीईओ रहे संयुक्त आयुक्त (विकास) हुए सेवानिवृत

आदित्य शर्मा

सकारात्मक परिणामों के लिए सदैव तत्पर रहे श्री रणदा : संभागायुक्त डॉ. खाड़े अब श्रीमती शिवानी वर्मा करेंगी पदभार ग्रहण

इंदौर संभागायुक्त कार्यालय के संयुक्त आयुक्त (विकास) श्री डी.एस. रणदा शासकीय सेवा की अर्धवार्षिकी आयु पूर्ण करने के बाद आज सेवानिवृत हुए हैं।

उनके विदाई समारोह में संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने कहा कि श्री रणदा कार्यालय में सदैव सकारात्मक परिणामों को लेकर आगे रहे हैं। उन्हें सौंपे गए दायित्वों को समय पर पूरा करना उनकी सबसे बड़ी उपलब्धियों में रही है। श्री रणदा की 13 नवम्बर 1991 में पुनासा की

पहली पदस्थापना हुई थी। वे मप्र शासन में ग्रामीण विकास विभाग के ऐसे अधिकारी रहे जिन्होंने सबसे अधिक समय तक विभिन्न 6 जिलों में 13 वर्ष तक जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के पद पर रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने मप्र शासन के मनरेगा में अतिरिक्त सीईओ भी रहे। इंदौर संभागायुक्त कार्यालय इंदौर में उनकी पदस्थापना 21 फरवरी 2025 को हुई थी।

श्रीमती शिवानी वर्मा, संयुक्त आयुक्त (विकास) का इंदौर में पदस्थापना राज्य शासन द्वारा श्रीमती शिवानी वर्मा, संयुक्त आयुक्त (विकास), राज्य स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) भोपाल को प्रशासकीय आधार पर स्थानांतरित करते हुए अस्थायी रूप से आगामी आदेश तक संयुक्त आयुक्त (विकास) संभागायुक्त कार्यालय, इंदौर संभाग इंदौर के पद पर पदस्थ किया गया है। यह स्थानांतरण श्री डी.एस. रणदा, जो वर्तमान में उक्त पद पर कार्यरत हैं, के सेवानिवृत्त होने के उपरांत प्रभावी होगा।

महापौर ने जल सप्लाई व्यवस्था का लिया जायजा

आदित्य शर्मा

इंदौर। शहर में जल व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने आज नगर पालिका निगम बिजलपुर स्थित जल यंत्रालय एवं नर्मदा जल निरंतरण कक्ष का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने शहर में की जा रही पानी की सप्लाई व्यवस्था का बारीकी से अवलोकन किया।

निरीक्षण के दौरान महापौर ने पानी की टंकियों में हो रही जल आपूर्ति की स्थिति को लेकर संबंधित अधिकारियों से विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने जल वितरण की प्रक्रिया को सुचारू और पारदर्शी बनाए रखने के निर्देश भी दिए। इस अवसर पर जलकर प्रभारी श्री अभिषेक बबलू शर्मा भी मौजूद रहे। महापौर ने जल आपूर्ति से जुड़े विभिन्न पहलुओं का निरीक्षण करते हुए पानी भरने में लगी टैंकर व्यवस्थाओं को भी देखा और उनकी कार्यप्रणाली का जायजा लिया। महापौर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शहरवासियों को समय पर और पर्याप्त मात्रा में पानी उपलब्ध कराया जाए, ताकि किसी भी क्षेत्र में जल संकट की स्थिति उत्पन्न न हो।

इन्दौर: पूर्व पार्षद पति सुनील दाभाड़े पर धोखाधड़ी का केस दर्ज, गिरफ्तारी वारंट के बाद भी पुलिस की पकड़ से दूर

सह संपादक - दीपक वाड़ेकर

इन्दौर। शहर के विजय नगर थाना क्षेत्र में धोखाधड़ी का एक बड़ा मामला सामने आया है। इन्दौर न्यायालय के आदेश के बाद, पूर्व पार्षद कविता दाभाड़े के पति सुनील दाभाड़े के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज किया गया है। न्यायालय द्वारा गिरफ्तारी वारंट जारी होने के बावजूद आरोपी अभी भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है।

क्या है पूरा मामला?

सुखलिया निवासी सुरेश यादव ने आरोप लगाया है कि सुनील दाभाड़े ने साल 2016 में माँ शारदा नगर में एक 20x50 वर्गफीट का प्लॉट 10,21,000 में बेचने का अनुबंध किया था। पीड़ित ने अनुबंध के पेटे 10,00,000 की राशि सुनील को दे दी थी। भुगतान प्राप्त करने के बाद भी सुनील दाभाड़े ने न तो प्लॉट की रजिस्ट्री कराई और न ही पीड़ित के पैसे वापस किए। पैसे वापस मांगने पर सुनील ने 10 लाख का चेक दिया, जो बैंक में लगाने पर बाउंस हो गया।

न्यायालय की शरण में पीड़ित

पीड़ित सुरेश यादव का आरोप है कि सुनील दाभाड़े ने अपने राजनैतिक रसूख का इस्तेमाल कर पुलिस पर दबाव बनाया, जिससे लंबे समय तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। अंततः पीड़ित ने इन्दौर न्यायालय (न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी) में फौजदारी याचिका प्रस्तुत की। न्यायालय ने मामले की गंभीरता को देखते हुए सुनील दाभाड़े के विरुद्ध धोखाधड़ी का अपराध दर्ज करने और विजय नगर थाना प्रभारी को उसे गिरफ्तार करने के आदेश दिए।

पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल

न्यायालय द्वारा गिरफ्तारी वारंट जारी किए जाने के बाद भी विजय नगर पुलिस अब तक आरोपी को पकड़ने में नाकाम रही है। पीड़ित का आरोप है कि आरोपी सुनील दाभाड़े गिरफ्तारी से बचने के लिए कई राजनैतिक हथकंडे अपना रहा है और पुलिस को चकमा दे रहा है। ऐसे में यह गंभीर सवाल उठता है कि एक साधारण व्यक्ति की जमा

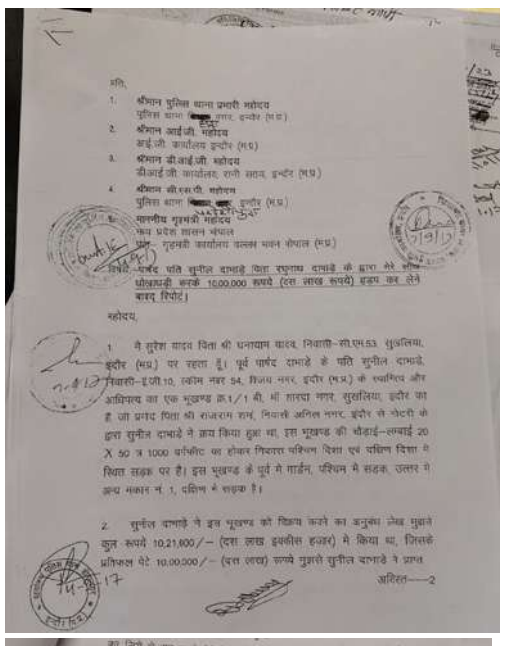

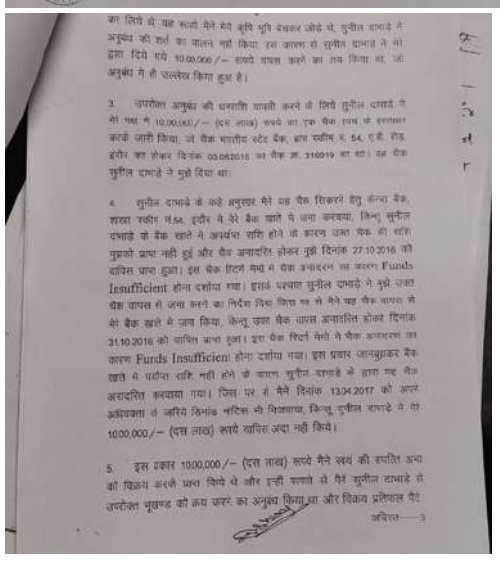

पूंजी हड़पने वाला प्रभावशाली व्यक्ति कब तक कानून की आंखों में धूल झोंककर शहर में खुलेआम घूमता रहेगा? क्या विजय नगर पुलिस न्यायालय के आदेशों का सख्ती से पालन करते हुए आरोपी को जल्द सलाखों के पीछे भेजेगी?

आज की अशांत दुनिया को चाहिए बुद्ध का 'बीच का रास्ता' (मध्य मार्ग)

दिव्यानंद अर्गल

वैशाख महीने की पूर्णिमा हमारे इतिहास का एक बहुत ही खास दिन है। यह सिर्फ एक तारीख नहीं है, बल्कि एक पूरा चक्र है। इसी दिन सिद्धार्थ का जन्म हुआ, इसी दिन बोधगया में एक पेड़ के नीचे उन्हें सच्चा ज्ञान (बुद्धत्व) मिला, और इसी दिन उन्होंने अपना शरीर त्यागा था। जन्म, ज्ञान और मृत्यु—तीनों का एक ही दिन होना बहुत ही अद्भुत है।

लेकिन आज जब हम बुद्ध पूर्णिमा मना रहे हैं, तो सबसे बड़ा सवाल यह है कि आज के इस स्मार्टफोन और इंटरनेट वाले जमाने में, जहां हर तरफ भागदौड़ है, बुद्ध के विचार हमारे क्या काम आ सकते हैं? आज जब हम दुनिया की तरफ देखते हैं, तो हर जगह लड़ाई-झगड़े, नफरत और हिंसा दिखाई देती है। ताकत और हथियारों की होड़ ने इंसान को इंसान का ही दुश्मन बना दिया है। ऐसे मुश्किल समय में बुद्ध की वह बात बहुत याद आती है कि— "नफरत को नफरत से नहीं, बल्कि प्यार से ही खत्म किया जा सकता है।" दुनिया को आज यह समझने की जरूरत है कि सच्ची शांति

हथियारों के दम पर नहीं, बल्कि दया और दोस्ती के रास्ते पर चलकर ही मिल सकती है। भारत हमेशा से गर्व के साथ कहता है कि "हमने दुनिया को युद्ध नहीं, बुद्ध दिया है।" बुद्ध इसलिए महान नहीं हैं कि उन्होंने सिर्फ शांति की बात की, बल्कि उनकी महानता उनकी सोच में है जो पूरी तरह से वैज्ञानिक और काम की है। उन्होंने हमें किसी अंधविश्वास या चमत्कार के भरोसे नहीं छोड़ा। उन्होंने सीधा सा मंत्र दिया— "अपना दीपक खुद बनो।" इसका मतलब है कि अपनी मदद खुद करो। उन्होंने बताया कि हमारे सभी दुखों की असली वजह हमारी कभी खत्म न होने वाली 'इच्छाएं' हैं। और इन दुखों को दूर करने का इलाज भी हमारे ही अंदर है। आज का इंसान सुख-सुविधाओं के मामले में तो बहुत आगे निकल गया है, लेकिन अंदर से वह उतना ही खाली, तनावग्रस्त और अकेला महसूस करता है। विज्ञापनों और बाजार ने हमारी इच्छाओं को इतना बढ़ा दिया है कि डिप्रेशन और बेचैनी आज की सबसे बड़ी बीमारियां बन गई हैं। ऐसे में बुद्ध का 'मध्य मार्ग' यानी 'बीच का रास्ता' सबसे काम आता है। वे कहते हैं कि न तो बहुत ज्यादा सुख-सुविधाओं के पीछे भागो और न ही अपने शरीर को फालतू के कष्ट दो। जीवन में संतुलन (बैलेंस) बनाकर चलना ही असली खुशी है। आज के दिन हमें यह सोचना चाहिए कि बुद्ध सिर्फ मंदिरों में पूजा करने के लिए नहीं हैं। उनके विचारों को अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में उतारने की जरूरत है। उन्होंने जो अच्छा जीवन जीने के आठ नियम (अष्टांगिक मार्ग) बताए थे—जैसे सही सोचना, सही बोलना, सही काम करना और ईमानदारी से कमाना— ये कोई पूजा-पाठ के नियम नहीं हैं, बल्कि एक अच्छी और खुशहाल जिंदगी जीने की 'गाइडबुक' हैं।

आज अखबार खोलिए तो वो लड़ाई, अपराध और धोखेबाजी की खबरों से भरे मिलते हैं। इन सबके पीछे इंसान का लालच, गुस्सा और मोह (लगाव) है। बुद्ध ने इन्हें 'तीन आग' कहा था। जब तक इंसान के अंदर की ये आग नहीं बुझेगी, तब तक बाहर की दुनिया में शांति नहीं आ सकती। बुद्ध पूर्णिमा के दिन बुद्ध को हमारी सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम उन्हें सिर्फ भगवान मानकर उनके आगे सिर झुकाने तक सीमित न रहें। बल्कि, उनके बताए हुए दया, समझदारी और अच्छाई के रास्ते पर कम से कम एक कदम तो आगे बढ़ाएं। क्योंकि आज हमारी इस परेशान दुनिया को बुद्ध के प्यार भरे स्पर्श की सबसे ज्यादा जरूरत है।

सत्य को धारण करने के लिए शुद्ध इच्छा शक्ति व बल चाहिए

प. पू. श्री माताजी प्रणित सहजयोग एक सत्ययोग है। सत्य के बारे में कहा जाता है कि 'सत्यमेवजयते' अर्थात् सत्य की ही विजय होती है । उपनिषद् में वर्णित है, 'नायमात्मा बलहीनेन लभ्यो ' न अयम आत्मा बलहिजेन लभ्यो' अर्थात् आत्मतत्व बलहीन व्यक्ति को नहीं प्राप्त होता। सत्य को धारण करने के लिये सूक्ष्म विचार, शुद्ध इच्छाशक्ति और बल चहिये। इसलिये सहजयोग धीरे-धीरे फैलता है। प. पू. श्री माताजी कहते हैं कि जीवंत-प्रक्रिया का विकास धीरे-धीरे होता है। उदाहरण के लिए, इस प्लास्टिक के फूल बड़ी संख्या में जल्द बना सकते हैं पर गुलाब या कोई भी अन्य फूल उगाने के लिए हमें धरती माता की शरण में जाना होगा। उस पेड़ या पौधे की, पूर्ण रक्षा कर उसका पोषण करना होगा तभी एक लम्बे समय के बाद हम उसके फल और फूल का आनंद ले सकेंगे। सहजयोग भी एक जीवंत प्रक्रिया है, जिस किसी व्यक्ति को यह योग प्राप्त होता है, उसका जीवन शांत, शीतल और सृजनशील होता है। इस योग के बारे में अन्य सभी को बताने की उमंग सदैव उसके मन में बनी रहती है। इसी के संदर्भ में हम आपको एक प्रसंग बताना

चाहते हैं एक बार तीन दोस्त पार्क में बैंच पर बैठकर चर्चा कर रहे थे। उनमें से दो दोस्त धर्म और तत्वज्ञान पर अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। दोनों ही एक दूसरे के धर्म की आलोचना कर रहे थे। अंततोगत्वा हम दोनों में कौन श्रेष्ठ है इसका निर्णय करने के लिये वे तीसरे दोस्त के पास गये। तीसरा मित्र शांत था। उन दोनों की चर्चा साक्षी भाव से देख रहा था । जब ये दो मित्र उसके पास निर्णय सुनने के लिये गये तो उसने कहा, जब मैं आपको निर्णय दूंगा तो आप मुझ पर विश्वास नहीं करेंगे। फिर भी वे दोनों कहने लगे आप चिंतनशील हैं कृपया अपना निर्णय सुनाएं । तीसरे मित्र ने कहा कि आप दोनों ही सही नहीं हैं बल्कि मैं सही हूं। दोनों मित्र आश्चर्यचकित हो गये, तीसरे मित्र ने अत्यंत शान्ती से कहा, मै ही सही हूँ, मेरा चिंतन सत्य है यह मुझे सिद्ध करने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि जो व्यक्ति सत्य जानता है, उस सत्य को धारण करता है, उस सत्य की राह पर अडिग रहता है वो उस सत्य को अन्य सामान्य जनों पर थोपता नहीं है क्योंकि सत्य तो स्वयं प्रकाशित होता है। जैसे कि सूरज को दिया दिखाने की आवश्यकता नहीं होती है। सत्य द्वारा प्रतिपादित सिद्धांत सभी को स्वयं ही स्वीकार्य होते हैं। सहजयोग भी इसी सत्य पर आधारित ब्रह्म से एकाकारिता का मार्ग है। जो कि कुंडलिनी जागरण द्वारा आत्मसाक्षात्कार की प्राप्ति का मार्ग है।सहज योग निशुल्क भी है और आसान भी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी हेतु टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 .

श्रद्धालुओं की कार में लगी भीषण आग

घटना में 5 लोग जिंदा जले है। पुलिस को लोगों की केवल हड्डियां मिली है। बताया गया कि कार सवार सभी लोग एक ही परिवार के थे। सभी मां वैष्णो के दर्शन कर लौट रहे थे। इसी बीच अलवर के मौजपुर में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे पर यह दर्दनाक हादसा हुआ है। मिली जानकारी के अनुसार यह घटना दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे पर हुई है। जहां बुधवार देर रात 11 बजे एक चलती कार में अचानक आग लग गई। हादसे के दौरान कार में एमपी निवासी 5 लोग मौजूद थे। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। सभी पांच लोग जिंदा जल गए। जबकि कार चालक ने किसी तरह कूदकर अपनी जान बचा ली। सूचना पर पहुंची पुलिस और दमकल की टीम आग बुझाने में जुट गई। बताया गया कि कार में से केवल लोगों की हड्डियां मिलीं हैं। सूत्रों के मुताबिक कार सवार सभी लोग श्योपुर (मध्य प्रदेश) के चैनपुरा के रहने वाले थे। मां वैष्णो देवी के दर्शन करके वापस अपने घर लौट रहे थे। परिवार ने यात्रा के लिए एक टैक्सी बुक की थी। यात्रा पूरी करने के बाद जब वे वापस लौट रहे थे, तभी यह हादसा हुआ। घटना में गंभीर घायल चालक को जयपुर रेफर किया है। पुलिस को आशंका है कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी थी। घटना में मृतकों की पहचान चैनपुरा निवासी संतोष (35), पत्नी शशि (30) सास पार्वती (55) सहित दो नाबालिगों के रूप में हुई है। वाहन पूरी तरह क्षतिग्रसत हुआ है। जबकि शवों की केलव हड्डियां बची है। पुलिस ने पहचान के लिए डीएनए जांच कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

6 जुलाई को हाईकोर्ट के सामने प्रदर्शन करेंगे ठेका श्रमिक

भोपाल में आउटसोर्स कर्मचारियों का प्रदर्शन

- **न्यूनतम वेतन बढ़ाने की मांग, नीलम पार्क के पास रैली निकाली, नारेबाजी**

भोपाल (नप्र)। राजधानी भोपाल में ठेका श्रमिक, अस्थायी और आउटसोर्स कर्मचारी आंदोलन कर रहे हैं। कर्मचारियों ने नीलम पार्क क्षेत्र में रैली निकाली और पार्क में धरने पर बैठ गए। वे नारेबाजी के साथ न्यूनतम वेतन बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। इन कर्मचारियों ने सांकेतिक सामूहिक आत्मदाह की चेतावनी दी है। प्रदर्शन के दौरान अस्थायी, आउटसोर्स कर्मचारी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष वासुदेव शर्मा ने कहा कि अगर हमारी मांगे पूरा पूरी नहीं होती है तो आने वाले 6 जुलाई को जबलपुर हाईकोर्ट के सामने जंगी प्रदर्शन करेंगे और हाईकोर्ट से मांग करेंगे कि उन्होंने जो कानून लाया था न्यूनतम वेतन का, वह आउटसोर्स और राजस्व विभाग कर्मचारी पर भी लागू हो। राज्य सरकार ने न्यूनतम मजदूरी 12,425 से 16,769 रुपए प्रतिमाह घोषित की है। कर्मचारी इससे खुश नहीं हैं। उनका कहना है कि कम से कम 26 हजार रुपए न्यूनतम वेतन मिलना चाहिए। उनका आरोप है कि केंद्र सरकार के तय मानकों के विपरीत राज्य में कई विभागों में 3 से 5 हजार रुपए प्रतिमाह पर काम कराया जा रहा है, जिससे असंतोष बढ़ता जा रहा है।

सरकार हमें नियमित करे- नर्मदापुरम से आए अमित कुमार का कहना है कि लंबे समय से काम कर रहे हैं। सरकार हमें नियमित करे। उन्होंने कहा कि अगले विधानसभा सत्र में हमारी मांगें विधायक उठाएं और हमें न्याय दिलाएं। अमित का कहना है कि हम राजस्व विभाग में हैं, इसलिए हमसे तहसीलदार, सरपंच, सचिव, पटवारी भी काम करवाते हैं। उनका सीधा कहना है कि हम राजस्व विभाग में हैं हमको काम करना पड़ेगा और उसका पैसा हमें नहीं दिया जाता है।

खसरा के पंजीयन में 8 रुपए मिलते- अमित ने कहा कि एक खसरा का पंजीयन कराने पर हमें सिर्फ 8 रुपए मिलते हैं। हम पूरे साल में केवाईसी, पंजीयन सहित राजस्व विभाग के अंतर्गत आने वाले काम करते हैं। हमने बीएलओ का भी काम किया है। फार्मर आईडी बनवाने में भी काम किया है, लेकिन हमें उसका कोई भी मानदेय नहीं दिया गया और अगर हम काम नहीं करते हैं तो हमें धमकी दी जाती है कि काम नहीं करना है तो निकल जाओ छोड़ दो काम।

कई विभागों में बेहद कम वेतन का आरोप

कर्मचारियों का कहना है कि विभिन्न विभागों में कार्यरत श्रमिकों को न्यूनतम वेतन से भी कम भुगतान किया जा रहा है। इसके अलावा औद्योगिक क्षेत्रों, पावर प्लांट और सीमेंट उद्योगों में भी ठेका श्रमिकों को पूरी न्यूनतम मजदूरी नहीं मिलने का आरोप लगाया गया है।

- स्कूलों, छात्रावासों और आयुष विभाग के अंशकालीन कर्मचारियों को 4-5 हजार रुपए
- ग्राम पंचायतों के चौकीदार, पंप ऑपरेटर और सफाईकर्मियों को 3-4 हजार रुपए
- स्वास्थ्य विभाग के आउटसोर्स कर्मचारियों को 7-8 हजार रुपए
- राजस्व विभाग के लोक यूथ सर्वेयरों को करीब 1 हजार रुपए
- मध्यान्ह भोजन कार्यकर्ताओं को लगभग 4 हजार रुपए
- मनरेगा मेट श्रमिकों को 2 हजार रुपए से भी कम भुगतान

टीटी नगर पुलिस ने युवकों को पीटा...पांव में आलपिन चुभोई

हालत बिगड़ने पर अस्पताल पहुंचाया; पीड़ित ने पुलिस कमिश्नर से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की

भोपाल (नप्र)। राजधानी भोपाल के टीटी नगर थाना पुलिस पर दो युवकों को रातभर बेरहमी से पीटने, पैरों में आलपिन चुभाने और जबरन एक चोरी की वारदात को स्वीकार करने का दबाव बनाने के आरोप लगे हैं। इस कथित पिटाई में एक युवक का हाथ फ्रैक्चर हो गया।

पीड़ित पक्ष ने पुलिस कमिश्नर से लिखित शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है, वहीं घटना से जुड़ा एक वीडियो भी वायरल हो रहा है। जिसमें एक पीड़ित युवक ने पीटने वाले पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की मांग की है।

जानकारी के मुताबिक नालंदा बुद्ध विहार, अंबेडकर नगर निवासी आयुष गोलाईत (21) 25 अप्रैल को अपने दोस्तों के साथ कोलार में एक मित्र की हल्दी रस्म में शामिल होने गया था। देर रात करीब ढाई बजे वह अपने दोस्त अतुल चोटाले के साथ वापस लौट रहा था। कटसी सेकेंड स्टॉप के पास दोनों एक नल पर हाथ-मुंह धो रहे थे, तभी डायल 112 पुलिस वहां पहुंची और दोनों को हिरासत में लेकर टीटी नगर थाने ले गई। परिजनों के अनुसार पुलिस दोनों युवकों को अंजली कॉम्प्लेक्स स्थित एक घर में ले गई, जहां कुछ समय पहले चोरी हुई थी। लेकिन फरियादी ने दोनों को पहचानने से इनकार कर दिया। इसके बावजूद पुलिस उन्हें वापस थाने ले आई, जहां कथित तौर पर रातभर लाठी-डंडों से पीटा गया। आरोप है कि सब-इंस्पेक्टर राघवेंद्र सिकरवार समेत अन्य पुलिसकर्मियों ने मारपीट की और अतुल के पैरों में आलपिन चुभाई।

ऋषिपुरम में शराब दुकान का विरोध

26 दिन से धरना दे रहे; कहा- 5 दिन में दुकान नहीं हटी तो उग्र प्रदर्शन करेंगे

भोपाल (नप्र)। भोपाल के अवधपुरी स्थित ऋषिपुरम में शराब दुकान की शिफ्टिंग का मामला तूल पकड़ रहा है। रहवासी 80 फीट स्थित पेट्रोल पंप पर ठेके का विरोध पिछले 26 दिन से कर रहे हैं। अब उन्होंने उग्र प्रदर्शन की चेतावनी दी है। कहा कि 5 दिन में यदि शराब दुकान नहीं हटी तो हजारों लोग सड़क पर उतरकर विरोध जताएंगे।

रहवासियों का कहना था कि दुकान के कारण इलाके का माहौल बिगड़ रहा है और आए दिन आपराधिक घटनाएं बढ़ रही हैं। रहवासी रमन तिवारी ने बताया कि मोहल्ले के लोग लंबे समय से इस दुकान को हटाने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि शराब दुकान के आसपास असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता है, जिससे क्षेत्र में असुरक्षा का माहौल बन गया है।

रहवासियों ने आरोप लगाया कि यहां से गुजरने वाली महिलाओं के साथ छेड़छाड़ की घटनाएं सामने आती रहती हैं। इसके अलावा झगड़े और अन्य अपराध भी बढ़ गए हैं। जिससे आम लोगों का रहना मुश्किल हो गया है।

पहले भी विरोध जता चुके- रहवासियों ने बताया कि पिछले एक वर्ष से यह शराब की दुकान यहां चल रही है। जिसका तब भी विरोध किया था, लेकिन आबकारी विभाग अब दुकान हटाने की बजाय फिर से यहीं पर संचालित करने दे रहा है।

लगातार 26 दिन से प्रदर्शन कर रहे हैं। बावजूद कोई जिम्मेदार अधिकारी सुनवाई के लिए नहीं पहुंचा। इसलिए अब उग्र प्रदर्शन करेंगे।

कानून व्यवस्था बिगड़ी तो प्रशासन जिम्मेदार होगा

शराब दुकान को लेकर गुरुवार को रहवासियों ने मीडिया के सामने अपनी बात रखी। कहा कि 5 दिन में ठेके को अन्य जगह पर शिफ्ट करने की मांग की गई है। यदि ऐसा नहीं हुआ तो क्षेत्र के करीब 10 हजार लोग सड़क पर उतरकर उग्र प्रदर्शन करेंगे।

“साइकिल पर सवार खबरें: कोरबा की सुबह को जगाते मेहनतकश हाथ” सुबह की पहली दस्तक: कोरबा में अखबार बांटने वालों की अनसुनी मेहनत

कोरबा, 1 मई। शहर जब गहरी नींद से जागने की तैयारी कर रहा होता है, उसी समय कुछ लोग अपनी दिनचर्या के सबसे कठिन हिस्से से गुजर रहे होते हैं। ये वे अखबार वितरक हैं, जो हर सुबह साइकिल या बाइक पर सवार होकर खबरों को घर-घर तक पहुंचाते हैं। मजदूर दिवस के मौके पर इन मेहनतकश लोगों की जिंदगी को समझना, उनके संघर्ष को पहचानना और उनके योगदान को सम्मान देना जरूरी हो जाता है।

कोरबा जैसे औद्योगिक शहर में अखबार बांटना केवल एक काम नहीं, बल्कि जोखिम से भरा दायित्व है। सुबह के अंधेरे में जब सड़कें कोयला ढोने वाले भारी वाहनों से भरी रहती हैं, तब ये वितरक बिना किसी सुरक्षा के अपने रास्ते पर निकल पड़ते हैं। शहर की हवा में घुली राख और धूल उनके लिए रोज की सच्चाई है। कई बार तेज गर्मी, बारिश या सर्दी भी उनके कदम नहीं रोक पाती। इस पेशे से जुड़े एक वरिष्ठ वितरक बताते हैं कि दशकों से यही दिनचर्या है—सुबह जल्दी उठना, अखबार लेना और तय समय पर हर घर तक पहुंचाना। उनके अनुसार, “काम छोटा लग सकता है, लेकिन जिम्मेदारी बड़ी होती है। लोग सुबह की शुरुआत खबरों के साथ करते हैं, और उस भरोसे को निभाना हमारी आदत बन चुका है।” उम्र बढ़ने के बावजूद वे आज भी उसी लगन से काम कर रहे हैं।

दूसरी ओर, नई पीढ़ी के युवा भी इस काम से जुड़े हुए हैं। एक युवा वितरक, जो पढ़ाई के साथ यह काम करता है, बताता है कि यह उसके लिए सिर्फ कमाई का जरिया नहीं, बल्कि जिम्मेदारी का एहसास भी है। “सुबह के समय सड़क पर निकलना आसान नहीं होता, लेकिन यह काम हमें अनुशासन और मेहनत का मूल्य सिखाता है,” वह कहता है। उसके मुताबिक, समाज को इस काम को केवल एक साधारण सेवा के रूप में नहीं, बल्कि महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के रूप में देखना चाहिए। हालांकि, इन वितरकों की समस्याएं लंबे समय से अनदेखी रही हैं। स्वास्थ्य के लिहाज से वे लगातार प्रदूषण के संपर्क में रहते हैं, जिससे सांस और अन्य बीमारियों का खतरा बना रहता है। सुरक्षा के लिए उनके पास पर्याप्त साधन नहीं होते और किसी दुर्घटना की स्थिति में आर्थिक सुरक्षा भी लगभग न के बराबर होती है। इसके बावजूद वे हर दिन अपनी जिम्मेदारी निभाने में पीछे नहीं हटते। मजदूर दिवस के इस अवसर पर जरूरत है कि इन अखबार वितरकों को भी असंगठित श्रमिकों के रूप में पहचान मिले, ताकि वे सरकारी योजनाओं और सामाजिक सुरक्षा का लाभ उठा सकें। साथ ही, समाज को भी उनके प्रति सम्मानजनक व्यवहार अपनाना चाहिए। क्योंकि सच यही है कि जब तक ये मेहनती लोग हर सुबह सड़कों पर निकलकर खबरों को घर-घर पहुंचाते रहेंगे, तब तक शहर की सुबह सच में पूरी नहीं होगी। उनका श्रम ही उस अनदेखी कड़ी की तरह है, जो हर नागरिक को दुनिया से जोड़े रखता है।

अबैध रेत के खेल पर सोहागपुर पुलिस की सख्ती पर घुनघूटी चौकी की दिखी सुस्ती

प्रदीप सिंह बघेल

शहडोल। जिले में अवैध रेत उत्खनन और परिवहन का खेल दिन-रात जारी है। नदियों से बड़े पैमाने पर रेत निकालकर बिना वैध दस्तावेजों के विभिन्न स्थानों तक पहुंचाई जा रही है। इसी क्रम में सोहागपुर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अवैध रेत से भरे एक मिनी ट्रक (डग्गी) को जब्त किया है। पुलिस के अनुसार मुखबिर से सूचना मिली थी कि मेढ़की की ओर से एक मालवाहक वाहन अवैध रेत लोड कर शहडोल की तरफ आ रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने भूसा तिराहा के पास नाकेबंदी की। कोनी की ओर से आ रहे संदिग्ध वाहन को रोककर जांच की गई, जिसमें रेत परिवहन से जुड़े कोई वैध दस्तावेज नहीं मिले।

कार्रवाई के दौरान चालक गणेश बैगा (32), निवासी ग्राम धनगवा थाना बुढार को पकड़ा गया। पूछताछ में उसने बताया कि वह वाहन मालिक अजय प्रजापति, निवासी पुरानी बस्ती शहडोल के कहने पर बलवई क्षेत्र से अवैध रेत लोड कर ला रहा था। पुलिस ने आरोपी चालक और वाहन स्वामी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(1), 317(5) एवं 4/21 खनिज अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने करीब 5 घन मीटर अवैध रेत सहित मालवाहक डग्गी जब्त की है, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 8 लाख 10 हजार रुपये बताई जा रही है। जब्त वाहन को थाना परिसर में सुरक्षित खड़ा कराया गया है। स्थानीय सूत्रों का दावा है कि उमरिया जिले के घुनघुटी चौकी क्षेत्र में पुलिस की मिलीभगत से बलवई नदी से दिनदहाड़े अवैध उत्खनन हो रहा है। माफिया पहले नदी से रेत निकालकर इकट्ठा करते हैं, फिर बाहरी वाहन मालिकों को बेचकर विभिन्न क्षेत्रों में सप्लाई करते हैं। इस पूरे नेटवर्क में स्थानीय पुलिस की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं। इस कार्रवाई में निरीक्षक अरुण कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में सउनि रामनारायण पाण्डेय, प्रधान आरक्षक संतोष परिहार, सुरेन्द्र पटेल और मनहरण पाण्डेय की अहम भूमिका रही।

वर्षा से पूर्व नगर पालिका द्वारा नाला-नालियों की सफाई हेतु विशेष अभियान शुरू

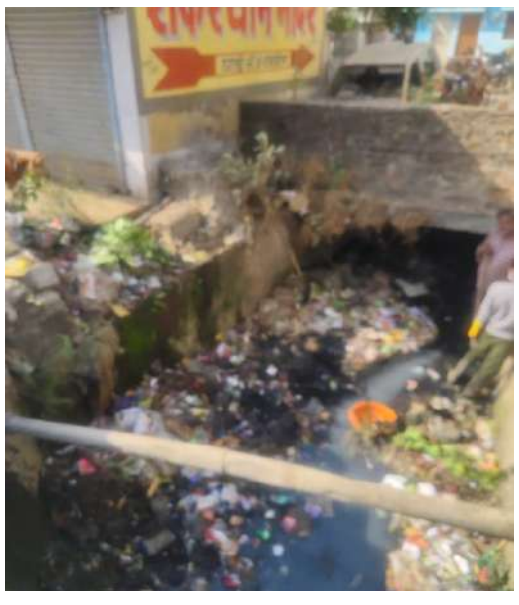

प्रदीप सिंह बघेल

शहडोल आगामी वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए नगर पालिका परिषद, शहडोल द्वारा नगर क्षेत्र में नाला-नालियों की व्यापक सफाई के लिए विशेष अभियान प्रारंभ किया गया है। यह अभियान कलेक्टर शहडोल डॉ. केदार सिंह के निर्देशन में संचालित किया जा रहा है, ताकि बारिश के दौरान जलभराव जैसी समस्याओं से नागरिकों को राहत मिल सके। मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती आशा जितेंद्र भंडारी ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया है कि नगर के सभी प्रमुख एवं आंतरिक नालों की समयबद्ध और प्रभावी सफाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि वर्षा शुरू होने से पहले सभी जल निकासी मार्गों को व्यवस्थित करना प्राथमिकता है, जिससे शहर में जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो और आमजन को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

नगर पालिका के स्वच्छता निरीक्षक श्री अनिल महोबिया द्वारा विभिन्न वार्डों का लगातार निरीक्षण किया जा रहा है तथा सफाई कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है। अभियान के अंतर्गत न्यू बस स्टैंड क्षेत्र, शंकर टॉकीज स्थित सब्जी मंडी, मीट मार्केट के समीप, रेलवे फाटक क्षेत्र तथा हाउसिंग बोर्ड सहित नगर के विभिन्न हिस्सों में नालों एवं नालियों की गहन सफाई कराई जा रही है। नगर पालिका परिषद ने नागरिकों से अपील की है कि वे शहर की स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें तथा कचरा नाला-नालियों में न डालें, जिससे जल निकासी व्यवस्था बाधित न हो। साथ ही यदि कहीं नाली अथवा नाला अवरुद्ध दिखाई दे तो इसकी सूचना तत्काल नगर पालिका को दें। नगर पालिका परिषद, शहडोल ने बताया कि यह विशेष अभियान लगातार जारी रहेगा, जिससे वर्षा ऋतु के दौरान शहर में स्वच्छता एवं सुचारू जल निकासी व्यवस्था बनाए रखी जा सके और जलभराव की समस्या से प्रभावी बचाव हो सके।

अबैध परिवहन पर खनिज विभाग सख्त JCB सहित पांच वाहन जप्त

प्रदीप सिंह बघेल

शहडोल। जिले में अवैध खनन और परिवहन के खिलाफ खनिज विभाग की कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में विभागीय टीम ने अलग-अलग क्षेत्रों में छापामार कार्रवाई करते हुए कुल 5 वाहन और दो जेसीबी मशीनों को जब्त किया है। जानकारी के

अनुसार, जैतपुर क्षेत्र में गिट्टी का अवैध परिवहन करते हुए एक ट्रैक्टर (MP18ZH0914) को पकड़ा गया। चालक शिवप्रसाद बैगा के पास परिवहन के लिए कोई वैध रॉयल्टी नहीं पाई गई, जिसके चलते वाहन को खनिज सहित जब्त कर थाना जैतपुर में खड़ा कराया गया और प्रकरण दर्ज किया गया।

वहीं, जांच दल ने बुढार तहसील के ग्राम जरवाही में कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग स्थानों पर मिट्टी और मुरम के अवैध खनन का खुलासा किया। यहां एक जेसीबी (MP34DA0514) और एक ट्रैक्टर (MP65AA1494) को मिट्टी खनन करते हुए जब्त किया गया। इसके अलावा एक अन्य स्थान पर जेसीबी (MP18DA0487) मुरम खनन करते पकड़ी गई। इन सभी के पास खनन की कोई वैध अनुमति नहीं थी, जिसके चलते वाहनों को जब्त कर थाना बुढार में खड़ा कराया गया। इसके साथ ही ग्राम पकरिया के पास एक मिनी ट्रक को गिट्टी का अवैध परिवहन करते हुए पकड़ा गया। चालक सोनू केवट से वाहन जब्त कर कार्रवाई की गई। पूरी कार्रवाई खनि निरीक्षक अभिषेक पटले के नेतृत्व में की गई। विभाग ने सभी मामलों में प्रकरण दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

यूआईटी-आरजीपीवी शहडोल में हुआ कैंपस प्लेसमेंट, विद्यार्थियों को मिले रोजगार के अवसर

प्रदीप सिंह बघेल

यूआईटी-आरजीपीवी शहडोल में अंतिम वर्ष के मैकेनिकल एवं माइनिंग इंजीनियरिंग विद्यार्थियों के लिए कैंपस प्लेसमेंट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में टीएमसी प्राइवेट लिमिटेड कंपनी द्वारा 70 विद्यार्थियों के लिए रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराए गए। कार्यक्रम के दौरान कंपनी के प्रतिनिधि राहुल सिंह एवं उत्कर्ष नामदेव ने विद्यार्थियों को कंपनी की कार्यप्रणाली, भविष्य की संभावनाओं तथा औद्योगिक विकास में उसकी भूमिका के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही इंडस्ट्री-एकेडेमिया कोलैबोरेशन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों की प्रतिभा एवं अनुशासन की सराहना की। कैंपस प्लेसमेंट प्रक्रिया के अंतर्गत विद्यार्थियों की लिखित परीक्षा आयोजित की गई, जिसके बाद साक्षात्कार की प्रक्रिया संपन्न हुई। चयन प्रक्रिया संस्थान के विशेषज्ञों एवं कंपनी प्रतिनिधियों की उपस्थिति में पूरी हुई। कार्यक्रम के समापन अवसर पर टीएमसी के कार्यकारी निदेशक का संस्थान परिवार द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। इस अवसर पर मैकेनिकल विभागाध्यक्ष आशीष खरे, माईनिंग विभागाध्यक्ष अमिताभ मिश्रा, अकादमिक इंचार्ज पीएल वर्मा सहित अन्य

संकाय सदस्य उपस्थित रहे। संस्थान प्रबंधन ने इसे विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताते हुए कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं को रोजगार से जोड़ने और उद्योगों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने में सहायक सिद्ध हो रहे हैं।

"सिंहासा में नल नहीं, ज़हर बह रहा है: सरपंच-सचिव और जिम्मेदार अफसरों की घोर लापरवाही बेनकाब"

सिंहासा (इंदौर) : ग्राम पंचायत सिंहासा में हालात इतने बदतर हो चुके हैं कि लोगों के घरों में लगे नलों से साफ पानी की जगह सीधे गटर का गंदा पानी बह रहा है। यह केवल एक तकनीकी खराबी नहीं, बल्कि सरपंच, सचिव और संबंधित विभागीय अधिकारियों की खुली लापरवाही और गैर-जिम्मेदारी का जीता-जागता उदाहरण बन गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि कई दिनों से नलों में बदबूदार, मटमैला और दूषित पानी आ रहा है, लेकिन इसके बावजूद न तो पंचायत ने कोई ठोस कदम उठाया और न ही जिम्मेदार अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लेना जरूरी समझा। सवाल यह उठता है कि जब जनता की सेहत दांव पर लगी हो, तब भी प्रशासन आखिर क्यों मौन बना हुआ है? स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है। उनका कहना है कि क्या पंचायत और प्रशासन इस इंतजार में हैं कि कोई बड़ी बीमारी फैले या किसी की जान जाए, तब कार्रवाई की जाए? यह स्थिति सीधे-सीधे जनता के जीवन के साथ खिलवाड़ है।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस प्रकार के दूषित पानी से डायरिया, टाइफाइड, पीलिया जैसी गंभीर बीमारियां तेजी से फैल सकती हैं। बावजूद इसके, जिम्मेदार तंत्र की निष्क्रियता यह दर्शाती है कि आम जनता की समस्याओं को किस हद तक नजरअंदाज किया जा रहा है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द से जल्द पाइपलाइन की जांच, पानी की गुणवत्ता की रिपोर्ट और स्वच्छ पेयजल की वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई, तो वे उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगे। अब बड़ा सवाल यह है कि क्या सरपंच, सचिव और संबंधित अधिकारी अपनी जिम्मेदारी निभाएंगे, या फिर सिंहासा की जनता को यूं ही गंदा पानी पीकर बीमार होने के लिए छोड़ दिया जाएगा?

कमिश्नर द्वारा ग्राम कुंवरसेजा हुआ जल आपूर्ति कार्य का किया निरीक्षण

प्रदीप सिंह बघेल

शहडोल। कमिश्नर शहडोल संभाग श्रीमती सुरभि गुप्ता ने जनपद पंचायत सोहागपुर के ग्राम कुंवरसेजा में नल जल योजना के तहत प्रदाय किये जा रहे जल आपूर्ति कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने विभागीय अधिकारियो को निर्देश दिए कि ग्रीष्मऋतु में नल जल योजना के तहत प्रत्येक व्यक्ति के घर तक शुद्ध एवं

स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करें। आपने कहा कि पेयजल की आपूर्ति सतत रूप से बनी रहे एवं जनमानस को पेयजल की समस्या उत्पन्न न हो इसका ध्यान रखें। कमिश्नर ने कहा कि पाईप लाइन टूटने अथवा पंप खराब होने की स्थिति में यथा शीघ्र मरम्मत कराई जाए। कमिश्नर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जल जीवन मिशन के कार्यों में गुणवत्ता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए।

कमिश्नर ने जल जीवन मिशन योजना के तहत ग्राम कुंवरसेजा में ग्रामीणों से पेयजल आपूर्ति के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने जल आपूर्ति की स्थिति एवं संचालन व्यवस्था का भी जायजा लिया एवं आवश्यक निर्देश दिए। कमिश्नर ने निरीक्षण के दौरान पेयजल की उपलब्धता के संबंध में स्थानीय लोगो से संवाद कर जल संरक्षण एवं जल के समुचित उपयोग के प्रति जागरूक भी किया। निरीक्षण के दौरान जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत स्थल पर ही गांव के प्रशिक्षित आंगनवाड़ी कार्यकर्ता से एफटीके के माध्यम से जल गुणवत्ता परीक्षण भी कराया गया। परीक्षण के माध्यम से उपस्थित ग्रामीणों को पानी की गुणवत्ता जांचने की प्रक्रिया की जानकारी दी गई तथा उन्हें स्वयं भी इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया गया। निरीक्षण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री शिवम प्रजापति, कार्यपालन यंत्री पीएचई श्री एचएल धुर्वे सहित संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित रहें।

पार्षद सोनाली मुकेश धारकर के नेतृत्व में महिलाओं की हुंकार

अधिकार, सम्मान और प्रतिनिधित्व के लिए सड़कों पर उतरी मातृशक्ति

आदित्य शर्मा

भारतीय जनता पार्टी इंदौर द्वारा आयोजित जन आक्रोश महिला सभा एवं रैली में वार्ड क्रमांक 16 की सक्रिय पार्षद श्रीमती सोनाली मुकेश धारकर के नेतृत्व में वार्ड की सैकड़ों महिलाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

इस दौरान महिलाओं ने एकजुट होकर अपने अधिकारों, सम्मान और राजनीतिक प्रतिनिधित्व को लेकर जोरदार आवाज उठाई। रैली में शामिल मातृशक्ति ने स्पष्ट संदेश दिया कि अब महिलाएं केवल दर्शक नहीं, बल्कि समाज और राजनीति की सशक्त भागीदार बनकर अपनी भूमिका निभा रही हैं।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नारी शक्ति वंदन अधिनियम को संसद में पारित न किए जाने के विरोध में जनजागरण करना रहा। इस मुद्दे को लेकर महिलाओं में गहरा आक्रोश देखने को मिला, जिसे सभा और रैली के माध्यम से मुखर रूप से व्यक्त किया गया। पार्षद सोनाली मुकेश धारकर ने अपने संबोधन में कहा कि महिलाओं के अधिकारों और सम्मान से जुड़े मुद्दों को अब और नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने जोर देकर कहा कि नारी शक्ति के सशक्तिकरण के लिए ठोस और प्रभावी निर्णय आवश्यक हैं। रैली में बड़ी संख्या में उपस्थित महिलाओं की सक्रिय भागीदारी ने यह स्पष्ट कर दिया कि महिलाओं के अधिकारों से जुड़े हर मुद्दे को अब समाज की प्राथमिकता बनाना होगा। मातृशक्ति की इस एकजुटता ने एक मजबूत संदेश दिया कि आने वाले समय में महिलाएं अपने हक और सम्मान के लिए और भी सशक्त रूप से आगे आएंगी।

इंदौर-पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर भूमिपूजन कार्यक्रम की तैयारियों का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

आदित्य शर्मा

इंदौर। इंदौर में प्रस्तावित इंदौर–पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर के भूमि पूजन कार्यक्रम (दिनांक 03 मई 2026, ग्राम नैनोद) की तैयारियों का जायजा लेने आज कलेक्टर इंदौर श्री शिवम वर्मा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री सिद्धार्थ जैन तथा एमपीआईडीसी के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर श्री हिमांशु प्रजापति व विधायक राउ श्री मधु वर्मा सहित पुलिस प्रशासन, जिला प्रशासन एवं एमपीआईडीसी के अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे और व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल पर मंच व्यवस्था, पार्किंग, यातायात प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था, पेयजल, विद्युत आपूर्ति एवं अन्य आवश्यक तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया कि सभी व्यवस्थाएं समयसीमा में पूर्ण करते हुए आपसी समन्वय से कार्य सुनिश्चित करें, ताकि कार्यक्रम का आयोजन सुव्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक संपन्न हो सके। अधिकारियों ने आगंतुकों एवं जनप्रतिनिधियों की सुविधा के लिए पर्याप्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने तथा सुरक्षा एवं यातायात प्रबंधन के लिए प्रभावी कार्ययोजना लागू करने के निर्देश भी दिए। उल्लेखनीय है कि प्रस्तावित इंदौर–पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर क्षेत्र के आर्थिक विकास को नई गति प्रदान करेगा तथा निवेश और रोजगार के नए अवसर सृजित करेगा। आगामी 03 मई 2026 को ग्राम नैनोद में आयोजित भूमि पूजन कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति प्रस्तावित है।

एक मई से शुरू होगा हाउस लिस्टिंग ब्लॉक (HLB) सर्वे, तैयारियां पूरी

आदित्य शर्मा

इंदौर। इंदौर में जनगणना के अंतर्गत हाउस लिस्टिंग ब्लॉक (HLB) सर्वे का शुभारंभ एक मई से किया जाएगा। सेल्फ इन्यूमरेशन की अवधि आज समाप्त हो गई है। अब प्रगणक एवं सुपरवाइजर घर-घर जाकर जानकारी एकत्रित करेंगे। यह सर्वे आगामी एक माह तक चलेगा।

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि सर्वे के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। आज चार्ज ऑफिसर्स की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विस्तृत ब्रीफिंग की गई, साथ ही प्रगणक एवं सुपरवाइजर्स का प्रशिक्षण भी पूर्ण हो चुका है। उन्होंने कहा कि यह सर्वे जनगणना निदेशालय के निर्देशानुसार संचालित किया जा रहा है और इसमें प्राप्त आंकड़े देश की नीतियों के निर्धारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने नागरिकों से अपील की है कि जब सर्वे टीम घर-घर पहुंचे तो उन्हें सही और पूर्ण जानकारी दें तथा सहयोग करें। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान नहीं दिया जाय।